हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर 2025

11 पूर्व सरपंच की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भूना थाना घेरा...

12 भट्ठे में किसान सभा ने किया शहीद भगत सिंह को याद...

खबर संक्षेप

डोडा पोस्त तस्करी में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशे के कारोबार के विरुद्ध चल रही कार्रवाई तेज करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने डोडा पोस्त सप्लाई के मुख्य आरोपी श्रवण पुत्र तेजा राम, निवासी कुर्ची, जिला नागौर, राजस्थान को कांजानऊ कलां से गिरफ्तार किया है। बडोपल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि इस मामले में पहले ही आरोपी सतपाल पुत्र गोपाल चन्द, निवासी जमालपुर शेखा, जिला फतेहाबाद को गिरफ्तार किया जा चुका है।

4 वर्ष पुराने एनडीपीएस केस में आरोपी काबू

फतेहाबाद। चार साल पुराने एनडीपीएस प्रकरण में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को थाना जाखल पुलिस ने काबू कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की पुत्र गुरमेल निवासी गुरुद्वारा बस्ती, जाखल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 500 रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि यह कार्रवाई वर्ष 2021 में दर्ज एनडीपीएस केस से जुड़ी है।

इग्नू में सत्र जुलाई के लिए दाखिले 30 तक

सिरसा। राजकीय महिला कॉलेज स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने सत्र जुलाई 2024 में इग्नू में दाखिला लिया था और जिन्होंने अभी तक अगली कक्षा के लिए अपना री रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया वे विद्यार्थी 30 सितंबर 2025 तक 200 रुपए लेट फीस के साथ अपना री रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इग्नू ने जुलाई 2025 के लिए री रजिस्ट्रेशन करने के लिए एक सुनहरा अवसर देते हुए 30 सितंबर 2025 (200 रुपए लेट फीस के साथ) तक तिथि बढ़ाने का दिया है।

भाजपा नेताओं ने सुनीं पीएम के मन की बात

सिरसा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम आज पूर्व चेयरमैन गुरदेव सिंह राही व भाजपा जिला महामंत्री अंबर मेहता के नेतृत्व में हिसार रोड स्थित प्रीतम प्रॉपर्टी कार्यालय में सुना। गुरदेव सिंह राही ने मन की बात कार्यक्रम के बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि यह कार्यक्रम देशवासियों को नई दिशा देने वाला और प्रेरणादायक है। यह कार्यक्रम राजनीति से परे समाज की ज्वलंत समस्याओं और उनके समाधान पर केंद्रित रहता है।

मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। डिंग थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डिंग थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि बलविंद्र सिंह पुत्र उधम सिंह निवासी दड़बी जिला सिरसा ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अनाज मंडी दड़बी में गए थे। वहां पहले से ही हरप्रीत, कृष्ण कुमार बैठे थे। उसके पहुंचते ही हरप्रीत ने लोहे की रॉड व कृष्ण कुमार ने कृपाण से हमला करके गंभीर चोटें पहुंचाई।

जानलेवा हमला करने पर दो युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। लहरियां पेट्रोल पम्प के पास एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में भूना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि शिकायतकर्ता मनोज कुमार पुत्र जयप्रकाश निवासी मादुवाला ने बताया कि 17 सितम्बर की रात लगभग 8:30 बजे वह अपने परिवार के साथ गांव लहरियां के पास पेट्रोल पंप के नजदीक रुका था। तभी आरोपियों में शामिल अमनदीप उर्फ भेरू, विक्रम उर्फ मील एवं अन्य लोगों ने मनोज कुमार पर हमला बोल दिया।

2200 रुपये खरीद एजेंसी व 575 रुपये प्रति क्विंटल देगी प्रदेश सरकार

एमएसपी पर नहीं होगी बाजरे की खरीद, भावांतर योजना के तहत किसानों को किया जाएगा पूरा भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

प्रदेश सरकार इस बारे बाजरे की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं कर रही। सरकार ने बाजरे की खरीद के लिए 2775 रुपये एमएसपी घोषित कर रखा है। प्रदेश सरकार की खरीद एजेंसियां पहले 2150 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरा खरीद रही थी। अब सरकार ने इसमें 50 रुपये की वृद्धि की है। अब खरीद एजेंसियां किसान को 2200 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान करेंगी जबकि शेष 575 रुपये प्रदेश सरकार किसान के खाते में डालेगी। यह 575 रुपये की राशि भावांतर भरपाई योजना के तहत डाली जाएगी।

फसल का रजिस्ट्रेशन करवाने वाले किसानों को मिलेगा लाभ

हरियाणा सरकार ने लिया बड़ा फैसला

हरियाणा सरकार ने इस सीजन में बाजरा की खरीद को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सभी खाद्य विभागों को पत्र जारी करते हुए साफ कर दिया है कि इस बार बाजरा की खरीद सीधे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नहीं की जाएगी। किसानों को भुगतान भावांतर योजना के तहत दिया जाएगा। जिन किसानों ने अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करवाया हुआ है। उन्हीं किसानों को इसका लाभ मिलेगा। वर्ष 2022 में भी सरकार द्वारा इसी तरह की व्यवस्था अपनाई गई थी। उस समय बाजरा की एमएसपी कीमत 2350 प्रति क्विंटल था, जबकि बाजार में ओपन खरीद लगभग 2 हजार प्रति क्विंटल के हिसाब से हुई थी। सरकार ने किसानों को भावांतर योजना के तहत 300 रुपए प्रति क्विंटल की राशि सीधे उनके खातों में डाली थी।

फतेहाबाद। फसल की सफाई करती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

गुणवत्ता के आधार रेट निर्धारित होंगे : सचिव

सरकार की तरफ से पत्र के माध्यम से निर्देश दिए गए हैं कि खरीद भावांतर योजना के तहत की जाएगी। जिसमें वेयर हाउस की जो खरीद होगी उसमें गुणवत्ता के आधार पर जो रेट निर्धारित किए जाएंगे वह रेट फाइनल होगे, बाकी जो भी उसमें भाव का फर्क रहेगा। वह भावांतर के तहत किसानों को दिया जाएगा। उसमें जिस किसान ने रजिस्ट्रेशन करवाया हुआ है। उसके खाते में सरकार रुपये डालेगी।

- **यशपाल मेहता**, सचिव मार्केट कमेटी फतेहाबाद

एमएसपी रेट 2750 निर्धारित किया गया

इस साल भी सरकार ने किसानों को भावांतर योजना से ही भुगतान करने का निर्णय लिया है। हालांकि अभी एमएसपी रेट 2750 निर्धारित किया गया है। लेकिन वेयर हाउस के द्वारा खरीद होने पर यह स्पष्ट होगा कि किसान का बाजरा किस रेट में खरीदा जाएगा और भावांतर के तहत कितना पैसा दिया जाएगा। अभी निजी दुकानों पर बाजरा 2100-2200 तक खरीदा जा रहा है। पहले खरीद एजेंसी किसान को 2150 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे के दाम दे रही थी। शनिवार को सरकार ने इसमें 50 रुपये की बढ़ोतरी की है। यानि कि अब 2200 रुपये खरीद एजेंसी व 575 रुपये प्रदेश सरकार किसानों के खाते में डालेगी।

एमएसपी पर खरीद का नहीं मिलेगा लाभ

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आदेश मिल गए हैं कि किसानों को भावांतर योजना से पैसे दिए जाएंगे। हालांकि किस एजेंसी द्वारा खरीद होगी और एमएसपी या दर क्या रहेगा, इस पर अभी स्थिति साफ नहीं है। किसानों को एमएसपी पर सीधे खरीद का लाभ नहीं मिलेगा। ओपन मार्केट में जितने पर खरीद होगी, उसमें और एमएसपी के बीच का अंतर सरकार किसानों के खातों में डालेगी।

तोड़फ़ोड़ से नाराज बराला की उपायुक्त को दो टूक

तालिबानी नहीं, बीजेपी की सरकार दीपावली तक तोड़फोड़ बंद करो

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिलाभर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर पिछले 10 दिनों से की जा रही तोड़फोड़ को लेकर अब जिलाभर के व्यापारी लामबंद होने लगे हैं। अतिक्रमण के नाम पर तोड़ फोड़ की कार्रवाई से आहत टोहाना के दुकानदारों ने सोमवार को टोहाना बंद तो फतेहाबाद के दुकानदारों ने दशहरे के दिन फतेहाबाद बंद का ऐलान कर रखा है। इस बीच सांसद सुभाष बराला ने बीती रात डीसी से फोन कर बात की। बराला ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए दो टूक कहा कि यह तालिबान सरकार नहीं, बीजेपी सरकार है और दीवाली तक किसी भी सूरत में तोड़फोड़ न की जाए। बता दें कि दो दिन पूर्व टोहाना में बिना किसी पूर्व सूचना के अलसुबह की गई तोडफ़ोड़ के खिलाफ टोहाना शहर एकजुट हो खड़ा है।

अधिकारियों के खिलाफ व्यापारी एकजुट, आज टोहाना बंद, दो को फतेहाबाद बंद

फतेहाबाद। तोडफ़ोड़ से उजड़ा टोहाना का बाजार। फोटो: हरिभूमि

सांसद बराला से मिले व्यापारी

टोहाना में एकाएक की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर व्यापारी देर शाम को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला से मिले। सुभाष बराला ने व्यापारियों के सामने ही डीसी डॉ. विवेक भारती से फोन पर बात की। बराला ने डीसी को कहा कि दीवाली का सीजन सिर पर है। ऐसे त्यौहारों के समय व्यापारियों के साथ नाइंसाफी हो रही है। उन्होंने कब्जा हटाने की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए दो टूक कहा कि यह कोई तालिबान सरकार नहीं, बीजेपी की सरकार है। व्यापारियों में ऐसा मैसेज नहीं जाना चाहिए कि हम तानाशाही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल दिवाली तक ऐसी कोई कार्रवाई न करें। दिवाली के बाद व्यापारी संगठनों और चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर लें।

टोहाना। शहर बंद को लेकर मीटिंग करते प्रधान, उपप्रधान व पार्षद।

नुकसान की भरपाई करे सरकार : सुनैना चौटाला

फतेहाबाद। जिले में अतिक्रमण हटाने के नाम पर प्रशासन द्वारा की गई जो रही तोडफोड़ की इनेलो ने कड़े शब्दों में निंदा की है। भाजपा नेताओं द्वारा बार-बार दीपावली तक अतिक्रमण हटाओ अभियान न चलाने के निर्देशों के बावजूद जिस तरह से अधिकारी बेलगाम होकर दुकानदारों को उजाडने में लगे हैं, इससे साबित होता है कि प्रदेश में अफसरशाही किस कदर हावी है। जो अधिकारी सत्ताधारी नेताओं की नहीं मानते, वह अधिकारी आम जनता के साथ कैसा व्यवहार करते होंगे, यह अब जगजाहिर है। यह बात इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने फतेहाबाद और टोहाना में दुकानदारों के खिलाफ प्रशासन द्वारा की जा रही तोडफ़ोड़ कार्रवाई की आलोचना करते हुए कही। इनेलो नेता ने कहा कि शहरों में दुकानदारों भारी-भरकम किराया अदा करते हैं।

- कहा : फतेहाबाद में तीनों सीटों पर मिली हार का बदला ले रही है भाजपा सरकार

राजस्व विभाग हरियाणा की नई पहल

अब होगी पेपर रहित रजिस्ट्री व निशानदेही

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा सरकार नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी क्रम में राजस्व विभाग ने एक नई पहल शुरू की है जिसके तहत अब रजिस्ट्री प्रक्रिया पेपर रहित होगी और निशानदेही भी पूरी तरह डिजिटल व पेपर रहित की जाएगी। इसके साथ ही राजस्व न्यायालय निगरानी प्रणाली को भी और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को प्रातः 10 बजे कुरुक्षेत्र से करेंगे। यह कार्यक्रम प्रदेशभर में लाइव प्रसारित होगा, ताकि आमजन भी इस सुविधा का लाभ उठाने की दिशा में उठाए गए ऐतिहासिक कदम से रूबरू हो सकें।

समारोह का होगा आयोजन

जिला राजस्व अधिकारी श्यामलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय समारोह फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड्डा राम की गरिमामयी उपस्थिति होगी। उन्होंने बताया कि उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम भी एक साथ आयोजित होंगे। टोहाना उपमंडल में होने वाले समारोह में पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली मुख्य अतिथि होंगे।

दहेज उत्पीड़न के दो मामलों में पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

फतेहाबाद। दहेज उत्पीड़न के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने दहेज उत्पीड़न प्रकरण में आरोपी पति मनोज पुत्र रघुबीर, निवासी बरवाला, जिला हिसार को गिरफ्तार किया है। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा ने बताया कि पीड़िता ने शिकायत दी थी कि उसकी शादी 10 फरवरी 2023 को मनोज निवासी बरवाला, हिसार के साथ हुई थी। कुछ ही समय बाद पति और ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग, शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ना तथा नशे की हालत में मारपीट की घटनाएं सामने आने लगीं। दूसरे मामले में महिला थाना फतेहाबाद ने आरोपी पति नीरज कुमार पुत्र फकीरचंद निवासी ढाणी जस्साराम रामनगरिया, जिला सिरसा को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने शिकायत दी थी कि शादी के कुछ समय बाद से ही उसका पति नीरज दहेज की मांग करने लगा।

गेम्स स्टेट चैंपियनशिप में छाई अक्षिता

- शानदार प्रदर्शन कर जीता रजत पदक, जिले का नाम किया रोशन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

दी सिरसा स्कूल ताइक्वांडो अकादमी की छात्रा अक्षिता ने डीएवी स्कूल गेम्स स्टेट चैंपियनशिप में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर अकादमी व जिले का नाम रोशन किया। अकादमी के कोच हरपाल सिंह ने बताया कि फरीदाबाद में 27 सितंबर को आयोजित डीएवी स्कूल गेम्स स्टेट चैंपियनशिप में अकादमी की छात्रा अक्षिता ने प्रतिभागिता की।

सिरसा। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अक्षिता को दी शुभकामनाएं

उन्होंने अक्षिता को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अक्षिता इससे पूर्व भी कई प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। उन्होंने कहा कि द सिरसा स्कूल में स्थापित ताइक्वांडो अकादमी में खिलाड़ियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बेहतरीन प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका परिणाम सभी के सामने है।

भट्ठा अनाज मंडी में नरमे की ढेरी में लगी आग

- 20 क्विंटल फसल जलकर राख, अग्निशमन विभाग ने पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्ठाकलां

भट्ठा अनाज मंडी में रविवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब माचरा ट्रेडिंग कंपनी के सामने रखी नरमे की ढेरी में अचानक आग लग गई। इस घटना से न केवल आसपास के दुकानदारों में हडक़ंप मच गया, बल्कि स्थानीय किसानों में भी चिंता की लहर दौड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग दोपहर बाद करीब 12 बजे लगी। जब धुएं का गुब्बार उठता देखा गया, तो तुरंत इसकी सूचना दुकान मालिक द्वारा अग्निशमन विभाग को दी गई। तब तक मौके पर दुकान मालिक व आस-पास के दुकानदारों और नागरिकों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी थी। लोग बाल्टी, पाइप और मिट्टी के सहारे आग को नियंत्रित करने में जुट गए। इसी दौरान, सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और कर्मचारियों ने तत्परता से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। दमकल कर्मियों की मदद से कुछ ही देर में आग को पूरी तरह बुझा लिया गया। तब तक करीब 20 क्विंटल नरमा जलकर राख हो चुका था।

भट्ठाकलां। अनाज मण्डी में नरमे में लगी आग बुझाते दमकल कर्मचारी।

शॉर्ट सर्किट की संभावना

बताया जा रहा है कि यह नरमा स्थानीय किसान जगतपाल का था, जो बिक्री के लिए मंडी में लाया गया था। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रथम दृष्टया यह शॉर्ट सर्किट या किसी प्रकार की चिंगारी से लगी आग मानी जा रही है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस हादसे से किसान जगतपाल को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

महिला की हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने शहर की बुटा कॉलोनी में महिला की मौत के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि गांव कालीरावण जिला हिसार निवासी बलवान ने शिकायत दी थी कि उसकी पुत्री कांता की शादी करीब दो वर्ष पूर्व दिवाना पुत्र रोशन लाल निवासी बुटा कॉलोनी सिरसा से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका पति दिवाना, सास नोमी देवी और ननद संतोष दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करते थे। 24 सितंबर को दिवाना अपनी पत्नी कांता को मायके से सिरसा वापस लाया। उसी रात कांता की संदिग्ध मौत हो गई। शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा गया।

चुन्नी से गला घोंटकर की थी पत्नी की हत्या

हत्यारोपी पति पुलिस गिरफ्त में।

कार्रवाई नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने की कड़ी कार्रवाई

जनवरी से अब तक 1050 वाहन चालकों पर हुई कानूनी कार्रवाई

380 वाहन किए जब्त, 247 चालकों के लाइसेंस रद करने की अनुशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद यातायात पुलिस द्वारा सडक़ सुरक्षा और जन-जीवन की रक्षा के उद्देश्य से एक सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है, जिससे सडक़ दुर्घटनाओं और जानमाल की हानि को प्रभावी रूप से रोका जा सके। जनवरी 2025 से अब तक, 1050 वाहन चालकों के विरुद्ध भारतीय मोटर वाहन अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। इनमें से 247 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की गई, जबकि 380 वाहनों को जब्त किया गया है। यह कार्रवाई केवल दंडात्मक न होकर, जनहित में की जा रही एक निवारक पहल है, ताकि आमजन को यह संदेश मिल सके कि नियमों की अवहेलना समाज की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। इसी क्रम में, बुलेट मोटरसाइकिलों में अवैध मोडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 258 युवाओं के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई है। उनके वाहन जब्त किए गए हैं और आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई है। साथ ही, लेन ड्राइविंग के नियमों का उल्लंघन करने वाले 4918 वाहनों के खिलाफ भी कानूनी प्रावधानों के तहत संज्ञान लिया गया है। इसके अतिरिक्त, धारा 167(8) मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत जुर्माना न भरने वाले वाहनों को भी जब्त किया गया है।

एसपी सिद्धांत जैन।

नशे में वाहन चलाना जानलेवा अपराध

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि नशे में वाहन चलाना मात्र एक नियम उल्लंघन नहीं, बल्कि जानलेवा अपराध है। यह न सिर्फ वाहन चालक की जान को खतरे में डालता है, बल्कि निर्दोष राहगीरों की जिंदगी भी जोखिम में डालता है। मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अनुसार यह एक गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसमें 6 माह तक की कैद, 10,000 रुपये तक जुर्माना, ड्राइविंग लाइसेंस का निलंबन अथवा रद्दीकरण, तथा वाहन की जब्ती का स्पष्ट प्रावधान है। यदि ऐसे में किसी की मृत्यु या गम्भीर दुर्घटना होती है, तो बीएनएस की धारा 106 (गैर इरादतन हत्या) भी लागू की जा सकती है। एसपी जैन ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में अब जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई गई है।

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाजी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता

डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता

विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेडैं नहीं फिर छोडैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक

ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली

डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाज़ें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही ख़ूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक ख़बरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आनंद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

अब चौथी पीढ़ी भी तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले की सबसे पुरानी रामलीला में शुमार फतेहाबाद की चिल्ली वाली धर्मशाला के लिए फतेहाबाद के पुरानी तहसील चौक निवासी गोयल परिवार भी समर्पित है। तीन पीढिय़ां लगातार रामलीला में अपना योगदान दे रही है और अब चौथी पीढ़ी भी इसके लिए तैयार है। यह पूरा परिवार रामलीला के लिए इतना गंभीर है कि प्रतिदिन सुबह से लेकर रात तक दुकान पर काम करना और इसके बाद रामलीला में अपना सहयोग देने के लिए पहुंच जाता है।

तीन पीढ़ियों से परिवार कर रहा रामलीला में अदाकारी

पहले पिता अब पुत्र सचिन गोयल बन रहे राम

फतेहाबाद में प्राचीन रामलीला चिल्ली वाली का मंचन 1928 में आरंभ किया गया था। इस रामलीला में स्व. चिरंजीलाल गोयल का परिवार भी 1954 से जुड़ा हुआ है। स्व. चिरंजीलाल ने 1954 में इस रामलीला में निर्देशक के तौर पर कार्य करना आरंभ किया था। उन्होंने निर्देशन के साथ-साथ रामलीला में राजा जनक का रोल भी अदा किया। इसके बाद उनके पुत्र राज गोयल ने रामलीला में लक्ष्मण व भगवान श्रीराम का किरदार अदा किया। 70 साल के राज गोयल ने इस रामलीला में मात्र 10 साल की उम्र में ही जुड़ गए थे। उन्होंने 22 साल तक लक्ष्मण व 10 साल तक राम का किरदार निभाया है। फिलहाल वह रामलीला में वायु देवता का किरदार निभा रहे हैं। राज गोयल के बाद अब उनके बेटे सचिन गोयल रामलीला में राम का किरदार निभा रहे हैं। वह पिछले 30 सालों से भगवान राम के किरदार की अदाकारी कर रहे हैं। सचिन गोयल ने पहले भगवान राम के बाल्यकाल का किरदार निभाना आरंभ किया था।

पूरा परिवार रामलीला के लिए समर्पित

मैं और मेरे पिताजी सुबह नौ बजे दुकान पर आते हैं। रात को नौ बजे दुकान पर रहने के बाद श्याम मंदिर में प्रतिदिन आयोजित होने वाली आरती में भाग लेते हैं। इसके बाद रामलीला की रिहर्सल में भाग लेते हैं। रिहर्सल रात को लगभग 99 बजे तक चलती है। रामलीला के आयोजन के दौरान तो रात को दो तक बज जाते हैं, लेकिन उनका पूरा परिवार रामलीला के लिए समर्पित है।

-सचिन गोयल

भगवान श्रीराम के वनगमन के भावपूर्ण दृश्य ने दर्शकों को रुलाया

सिरसा। श्री सियाराम ड्रामेटिक क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को अपने पिता दशरथ महाराज के आदेशानुसार भगवान श्रीराम को 14 वर्ष के वनवास का मार्मिक मंचन किया गया जिसे दर्शकों ने अति भावुकता से देखा। मंच पर सर्वप्रथम भगवान श्रीराम पिता की आज्ञा को अपने जीवन का सर्वोच्च कत्र्तव्य मानते हुए वन गमन की तैयारी करते हैं, मगर उसी समय उनकी भार्या सीता और उनके अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वन में उनके साथ जाने की बात कहते हैं मगर भगवान श्रीराम उन्हें अयोध्या में ही रहकर अपने पिता व माताओं का ध्यान रखने को कहते हैं जिसे सीता एवं लक्ष्मण द्वारा विनम्रतापूर्वक इंकार कर दिया जाता है। काफी आग्रह के बाद अंततः भगवान श्रीराम उन्हें अपने साथ वन ले जाने के लिए सहमत हो जाते हैं। सभी ने अश्रुपूरित आंखों से भगवान श्रीराम को अपने अनुज व भार्या के साथ वनगमन करते देखा। इस दौरान युवराज भरत और शत्रुघ्न अपने मामा के घर से अयोध्या लौटते हैं और अपने बड़े भाई राम को तलाशते हैं मगर उन्हें बाद में पता चलता है कि उनकी माता कैकयी की हठधर्मिता के चलते उनके भाई श्रीराम, अनुज लक्ष्मण व भाभी सीता को वन जाने पर बाध्य होना पड़ा जिस पर वे आग बबूला हो उठते हैं और सिंहासन के लालच में अपने भाई श्रीराम को वन भेजने के लिए अपनी माता को काफी भला बुरा कहते हैं। शनिवार को मंचन के दौरान अरोड़वंश सेवा सदन के प्रधान कृष्ण गुंबर, सुमित बब्बर, हर्ष अरोड़ा, अमन चोपड़ा, आदतियान एसोसिएशन सिरसा के अध्यक्ष प्रेम बजाज अतिथि के तौर पर शामिल हुए। सभी ने एकस्वर में उपस्थितजनों को भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का अनुसरण करने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

छात्रा महक हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिता में रही प्रथम

भूना। राजकीय प्राथमिक स्कूल धौलू की कक्षा पांचवी की छात्रा महक पुत्री रोहतास चंद्र ने हिंदी पखवाड़ा के तहत आयोजित दृश्य घटना वर्णन प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। महक की इस उपलब्धि से न केवल स्कूल में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे गांव में गर्व की लहर है। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी सेवा सिंह, शिक्षिका श्रीमती गायत्री, विनोद कुमार, नवदीप, अजीत सिंह, सतबीर सिंह और राजेश कुमार सहित स्कूल स्टाफ ने महक को सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अध्यापकों ने महक की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उसकी लगन और मेहनत ने यह मुकाम दिलाया है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए कहा कि महक जैसे बच्चे मिसाल हैं, जो

6 को डीईओ कार्यालय पर धरना देंगे अध्यापक

फतेहाबाद। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ द्वारा राजकीय पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद में खंड स्तरीय कन्वेंशन का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड उपप्रधान दलवंती ने की और संचालन खंड सचिव मुरारी लाल ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रधान राजपाल मिताथल व जिला सचिव देसराज माचरा उपस्थित रहे। कन्वेंशन में निर्णय लिया गया कि अध्यापकों की मांगों को लेकर 6 अक्टूबर को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शाम 3 बजे से 5 बजे तक धरना दिया जाएगा और उसके बाद शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए राजपाल मिताथल ने कहा कि संघ की पहली मांग सभी के लिए सार्वजनिक शिक्षा की व्यवस्था करना है।

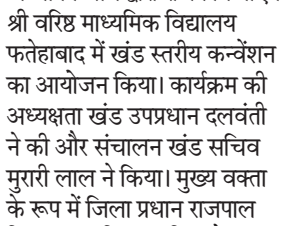

जीएसटी जागरुकता गतिविधियां आयोजित

टोहाना। डीईटीसी आनन्द सिंह दलाल के निर्देशन में बचत उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत, टोहाना क्षेत्र में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने विभिन्न स्थानों पर जाकर आमजन एवं व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित जानकारी प्रदान की और जागरूकता गतिविधियाँ संचालित कीं। टीम में इंस्पेक्टर जितेन्द्र नैन, इंस्पेक्टर राजेश इंदोरा तथा सुभाष चंदर शामिल रहे। टीम के सदस्यों ने लोगों से संवाद करते हुए वर्तमान जीएसटी व्यवस्था के लाभ, जीएसटी दरों में पहले की तुलना में कमी आई है या नहीं, व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के लिए कर अनुपालन से होने वाले फायदे, नवपीढ़ी जीएसटी और बचत उत्सव से जुड़े प्रावधान के बारे में जानकारी दी।

पुलिस कार्रवाई से नाराज लोगों ने तीन घंटे तक किया जमकर प्रदर्शन

बैजलपुर के पूर्व सरपंच की गिरफ्तारी की मांग को लेकर घेरा भूना थाना

पूर्व सरपंच ने कहा, सब राजनीतिक स्टंट उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की कोशिश चल रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

गांव बैजलपुर के सैंकड़ों ग्रामीणों ने मौजूदा सरपंच हेमंत बैजलपुरिया पर हुए जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी ईश्वर सिंह को हमले के लिए उकसाने एवं षड्यंत्र रचने वाले पूर्व सरपंच प्रताप सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को भूना थाना परिसर में जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर जमकर नारेबाजी की और तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। बैजलपुर के ग्रामीणों ने इससे पहले गांव के मुख्य चौक पर एक पंचायत का आयोजन किया गया था, जिसमें सरपंच पर हमले को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान आरोपी ईश्वर सिंह की पत्नी सुमन, भतीजी प्रियंका, कल्पना और सास भरपाई पंचायत स्थल पर पहुंच गई और मौके पर मौजूद सरपंच हेमंत बैजलपुरिया के साथ सरेआम गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी देकर चली गई। इस घटना से ग्रामीण भडक़ उठे और बड़ी संख्या में थाने की ओर कूच कर दिया। उधर पूर्व सरपंच प्रताप शर्मा ने अपने आप को निर्दोष बताते हुए कहा कि यह सब राजनीतिक स्टंट है और उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की कोशिश चल रही है।

भूना। थाना परिसर में पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए बैजलपुर के ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

ग्रामीणों ने दी चेतावनी

ग्रामीणों ने थाने के बाहर करीब तीन घंटे तक जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हमले को हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्य साजिशकर्ता पूर्व सरपंच प्रताप सिंह को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, वे थाने से वापस नहीं लौटेंगे।इस दौरान थाना परिसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही, लेकिन पुलिस और ग्रामीणों के बीच संवाद से टकराव टल गया। अंततः पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और वापस लौटे।

थाना परिसर में बना तनावपूर्ण माहौल

थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने प्रदर्शनकारी ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने साफ कह दिया कि अब सिर्फ आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहिए। इसी बीच कई बार प्रदर्शनकारी सिरसा-चंडीगढ़ रोड की ओर बढ़े, लेकिन सरपंच हेमंत और गांव के अन्य गणमान्य लोगों ने उन्हें समझाकर शांत किया और रोड जाम होने से रोका।

एसपी से हुई बात, तब माने ग्रामीण

एसपी से हुई फोन पर बात, तब जाकर माने ग्रामीण करीब तीन घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन के बाद सरपंच हेमंत बैजलपुरिया की फतेहाबाद एसपी सिद्धांत जैन से फोन पर बात हुई। एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि पूर्व सरपंच प्रताप सिंह की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी। इसके साथ ही पंचायत में गाली-गलौच करने वाली महिलाओं सुमन, प्रियंका, कल्पना और भरपाई के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

ग्रामीण बोले : हमले का मास्टरमाइंड पूर्व सरपंच

थाने पहुंचे पंचायत समिति सदस्य मानसिंह, महेंद्र सिंह, रामस्वरूप ओला, गुलाब सिंह, करण सिंह, संदीप कुमार, शमशेर सिंह, नत्थूराम, कुलदीप सिंह, सुभाष चंद्र, राकेश कुमार, राजेंद्र सिंह व अमर सिंह झाझडिया, रामप्रताप सहित अनेक लोगों ने कहा कि इस हमले का मास्टरमाइंड पूर्व सरपंच प्रताप सिंह है। उनका आरोप है कि चुनावी रंजिश के चलते ही ईश्वर सिंह को उकसाया गया था। ग्रामीणों का दावा है कि हमला करने से पहले ईश्वर सिंह, पूर्व सरपंच के घर भी गया था और वहीं से लौटकर उसने सरपंच पर हमला किया। जो सीसीटीवी के फुटेज रिकॉर्ड में उसकी तस्वीर कैद हो गई है।

18 सितंबर को हुआ था चाकू से हमला

18 सितंबर को सरपंच एसोसिएशन फतेहाबाद के जिलाध्यक्ष एवं बैजलपुर के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया पर गांव के ही ईश्वर सिंह ने चाकू से हमला किया था। सरपंच ने खुद को बचाया, तो चाकू उनके हाथ में लग गया था। ग्रामीणों ने आरोपी को मौके पर पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया था। फिलहाल ईश्वर सिंह न्यायिक हिरासत में है, लेकिन ग्रामीणों की मांग है कि इसके पीछे के असली षड्यंत्रकारी को भी तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

महिलाओं के खिलाफ भी एफआईआर : रविवार को पंचायत में हुए बवाल के बाद सरपंच हेमंत बैजलपुरिया ने ईश्वर सिंह की पत्नी, सास और अन्य महिलाओं के खिलाफ भी गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दी।

अब सिर्फ गिरफ्तारी ही स्वीकार्य : बैजलपुर निवासी रामस्वरूप ओला, गुलाब सिंह, करण सिंह, संदीप कुमार आदि ने स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में अब सिर्फ गिरफ्तारी ही उनका मकसद है। किसी प्रकार का राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

धौलू के छात्रों ने जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धौलू के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय कल्चरल फेस्ट में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। फतेहाबाद जिले में आयोजित इस प्रतियोगिता में कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्गों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें धौलू स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाते हुए निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। वरिष्ठ वर्ग के प्रतिभागियों ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कनिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने एकल नृत्य में तृतीय और समूह नृत्य में चतुर्थ स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी और गर्व का माहौल है। प्रधानाचार्य विजेंद्र साहू के नेतृत्व में सीनियर प्रवक्ता अमनप्रीत कौर ने विजेता प्रतिभागियों सहित सभी विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों, अभिभावकों और ग्रामवासियों को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने बच्चों की तैयारी में अहम भूमिका निभाने वाले संगीतकारों, नृत्य प्रशिक्षिका और सभी सहयोगी शिक्षकों का विशेष आभार जताया।

■ शारदार प्रदर्शन कर विद्यायल का नाम किया रोशन

विश्व रेबीज दिवस पर चलाया जागरुकता अभियान

आवारा और पालतू कुत्तों का किया टीकाकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हर साल हजारों लोगों की जान लेने वाली जानलेवा बीमारी रेबीज से बचाव संभव है। इसी विषय पर आज विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर पशुपालन विभाग की ओर से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व रेबीज दिवस पर पशु अस्पताल शेखुपुर दडोली की ओर से आवारा और पालतू कुत्तों का मुफ्त रेबीज टीकाकरण किया गया। यह कार्यक्रम उपनिदेशक पशुपालन डॉ. सुखविंदर सिंह और उपमंडल अधिकारी पशुपालन डॉ. सुरेंद्र के दिशा-निर्देश में सम्पन्न हुआ। उपनिदेशक पशुपालन डॉ. सुखविंदर सिंह ने बताया कि रेबीज की रोकथाम के लिए हर वर्ष 28 सितंबर को विश्व स्तर पर यह दिवस मनाया जाता है।

फतेहाबाद। रेबीज टीकाकरण करते पशुपालन विभाग के डॉक्टर।

हर साल 59 हजार लोग रेबीज से मरते

सुखविंदर ने कहा कि वर्ष 2030 तक रेबीज से होने वाली मौतों को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्वभर में हर साल लगभग 59 हजार लोग रेबीज से मरते हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत मौतें संक्रमित कुत्तों के काटने से होती हैं। भारत में हर साल लगभग 18 से 20 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आकर अपनी जान गंवाते हैं। पशु चिकित्सक रामनिवास बिश्नोई ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि कुत्ता काटने की स्थिति में घाव पर कपड़ा, पट्टी, मिट्टी या मिर्च नहीं लगानी चाहिए।

5 ड्रग पीड़ितों की काउंसलिंग कर दी दवाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत गांव बादलगढ़ में एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया और नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया। सभा में पंचायत प्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति रही। टीम द्वारा बताया गया कि नशा शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन को बर्बाद कर देता है। नशे की गिरफ्त में आया व्यक्ति सिर्फ खुद ही नहीं टूटता, बल्कि उसका परिवार भी पीड़ित हो जाता है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य, बल्कि आर्थिक स्थिति को भी गहरा आघात पहुंचाता है। कार्यक्रम में स्थानीय एएनएम और आशा वर्कर्स ने भी सहभागिता की और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से नशे के नुकसान पर प्रकाश डाला। महिलाओं ने गांव को नशा मुक्त बनाने की शपथ लेते हुए युवाओं को इस दिशा में प्रेरित करने का संकल्प लिया। नुक्कड़ सभा के बाद नशा मुक्ति टीम ने गांव में 5 ड्रग पीड़ितों की पहचान की। उन्हें व्यक्तिगत काउंसलिंग दी गई। नशा छोडऩे की प्रक्रिया समझाई गई और उन्हें आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाएं भी वितरित की गई, ताकि वे सुरक्षित रूप से नशा छोडऩे की दिशा में कदम बढ़ा सकें। फतेहाबाद पुलिस केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ दिशा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

रतिया। गांव बादलगढ़ में ग्रामीणों को संबोधित करते एसआई सुंदर। *फोटो : हरिभूमि*

सरकार वाहवाही लूटने का काम कर रही : निशान

टोहाना। शहर में नगर परिषद व प्रशासन की तरफ से की गई कार्रवाई निंदनीय है। जहां सरकार एक तरफ जीएसटी उत्सव और सेवा पखवाड़ा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वाहवाही लूटने का काम कर रही है। वहीं दूसरी और मिडल क्लास के रोजगार पर प्रहार करने का निंदनीय कार्य कर रही है। यह बात कांग्रेस नेता निशान सिंह ने टोहाना में व्यापारियों की समस्या सुनने के बाद कही। निशान सिंह ने कहा कि दशहरे और दीपावली जैसे पर्वों के समय इस प्रकार की कार्रवाई करना सरकार की जनहितैषी मंशा पर प्रश्न चिन्ह खड़े करती है। उन्होंने कहा कि सुबह सवेरे बाजार खुलने से पहले दुकानों को उजाडऩे का कार्य पूर्ण रूप से सुनियोजित है, जिसके पीछे सरकार का हाथ है। सरकार के इस घृणित कार्य की निंदा करते हुए पीड़ित दुकानदारों को उनके हुए नुकसान का मुआवजा संबंधित अधिकारियों की जेब से दिलवाने की मांग करते हैं जिन्होंने दुकानदारों की गैर मौजूदगी में उनके प्रतिष्ठानों को उजाडऩे का कार्य किया है।

शारदीय नवरात्रि पर श्रद्धालुओं ने की मां कात्यायनी की विशेष पूजा

रतिया। मां शीतला मंदिर में शारदीय नवरात्रि विशेष में आज मां कात्यायनी की विशेष पूजा की गई। मां शीतला मंदिर के मुख्य पुजारी सतीश शास्त्री ने बताया कि शारदीय नवरात्रों के इन दिनों में मंदिर में भारी भीड़ माता रानी के दर्शनों के लिए उमड़ रही है। नवरात्रि के षष्ठम दिवस पर मां कात्यायनी की उपासना की जाती है। मां कात्यायनी ने असुर महिषासुर का वध किया इसलिए इन्हें महिषासुर मर्दिनी भी कहा जाता है। मां कात्यायनी वीरता न्याय और धर्म की अधिष्ठात्री है, उनकी कृपा से साधक के जीवन में साहस आत्मबल और विजय की प्राप्ति होती है। नारी शक्ति को आज के शुभ दिन का विशेष संदेश नारी केवल कोमलता की प्रतिमा ही नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़ी होने वाली शक्ति भी है। हर स्त्री को मां कात्यायनी से प्रेरणा लेकर अपने भीतर साहस आत्मविश्वास और न्याय की भावना को जागना चाहिए। भक्त जनों ने इस मौके पर उपवास रखा हुआ था, उन्होंने माता रानी का पाठ कर विशेष पूजन किया। मां कात्यायनी की विशेष पूजा अर्चना से उन भक्तजनों पर विशेष कृपा करती है जिनकी शादी में रुकावट होती है। पुजारी सतीश शास्त्री ने कहा कि मां को गुड, मिठाई, शहद इत्यादि का भोग लगाए, पुष्प अर्पित करें।

रतिया। मां शीतला मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

राज्य सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता को लेकर जिला स्तरीय ट्रायल 5 को हंसेवाला में

फतेहाबाद। राज्य स्तरीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता में फतेहाबाद जिले के खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाएंगे। टीम के चयन को लेकर फतेहाबाद जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा 5 अक्टूबर रविवार को प्रातः 10 बजे टोहाना के गांव हंसेवाला में खिलाडियों के ट्रायल लिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए जिला जूडो एसोसिएशन के सचिव मनोल गिल और प्रधान जीवन सिंह जूना ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। जो खिलाड़ी ट्रायल के अंदर प्रथम स्थान प्राप्त करेगा, वह आगामी राज्य स्तरीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता में फतेहाबाद जिले की तरफ से भाग लेगा। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद जिला की तरफ से ट्रायल निःशुल्क रहेगी, 1 किलोग्राम भारवर्ग की छूट दी जाएगी। जिन खिलाडियों की जन्म तिथि 2011 2012 और 2013 है, सिर्फ वही खिलाड़ी इस ट्रायल में भाग ले सकते हैं।

राजकीय महाविद्यालय भूना में कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र ज्यानी ने की

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने दिखाई सांस्कृतिक झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

राजकीय महाविद्यालय भूना में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र ज्यानी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डीएचईओ फतेहाबाद डॉ. विवेक सैनी एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रो. कुलदीप सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. अमनदीप सिंह द्वारा किया गया, वहीं मंच संचालन की जिम्मेदारी प्रो. सुनील कंबोज और प्रो. मानवी ने निभाई।

भूना। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्रधानाचार्य सुरेंद्र ज्यानी। *फोटो : हरिभूमि*

बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणवी व राजस्थानी नृत्य, पंजाबी नृत्य, समकालीन नृत्य, गायन, मिमिक्री और मोनो एक्टिंग जैसी प्रस्तुतियाँ दीं। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन प्रतियोगिता में संजय शर्मा ने प्रथम, अशोक कुमार ने द्वितीय और मीनाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल अभिनय में तमन्ना पहले, दीपांशु दूसरे और राधा तीसरे स्थान पर रहीं। मिमिक्री में सुमित ने प्रथम, संजय शर्मा ने द्वितीय, जबकि दीपांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणवी/राजस्थानी नृत्य में सानिया पहले, काजल दूसरे और सुमित कुमार तीसरे स्थान पर रहे। पंजाबी नृत्य में तमन्ना ने बाजी मारी, सिमरन और शिव कुमार क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। समकालीन नृत्य में तमन्या पहले, साक्षी दूसरे और संजय शर्मा तीसरे स्थान पर रहे।

युवा पीढ़ी देश का भविष्य : विवेक

डॉ. विवेक सैनी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहन देना जरूरी है। सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करती हैं। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

भट्टू में किसान सभा ने किया शहीद भगत सिंह को याद, संघर्ष को मजबूत करने का संकल्प

शहीद के क्रांतिकारी विचारों को अपनाने का किया आह्वान

विष्णु शर्मा ने शहीद भगत सिंह के देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाने के संघर्षों को साझा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

भट्टूकलां। कार्यक्रम को संबोधित करते किसान सभा जिलाध्यक्ष विष्णुदत्त।

शहीदे-आजम भगत सिंह के जन्मदिवस पर अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी भट्टूकलां द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ताऊ देवीलाल पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में किसान सभा के पदाधिकारियों के अलावा क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने पहुंचकर शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता सुभाष चन्द्र भादू ने की वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विष्णुदत्त शर्मा ने शहीद भगत सिंह के देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाने के संघर्षों को साझा किया। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से शहीद भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों को अपने जीवन में उतारने और उनके बताए रास्ते पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रोहतास डुडी, सुरजमल जाखड़, वजीर सिंह, हवा सिंह, राजेंद्र सिंह सिद्ध, संजय सिंह, अमित, विकास, विक्की, परवाना सिंह, रविंद्र कुमार सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

संवैधानिक आजादी छीनने का प्रयास कर रही सरकार

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य और केंद्र सरकारें अंग्रेजों से भी खतरनाक रवैया अपना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम आदमी की बोलने, लिखने और अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष करने की संवैधानिक आजादी छीनने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा पूंजीपतियों के पक्ष में कानून लागू कर देश की आम जनता को गुलाम बनाने की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आज हमें अपने हकों, अधिकारों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगार, भ्रष्टाचार और नशाखोरी से छुटकारे और कर्जामुक्ति के लिए जात-पात, धर्म-मजहब, इलाका आदि बातों से ऊपर उठकर एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने किसान सभा के राज्य सम्मेलन के अवसर पर 4 अक्टूबर को भट्टू अनाज मण्डी में होने वाली किसान रैली में हिस्सा लेने का आह्वान किया।

फतेहाबाद। शहीद स्मारक पर रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश देते एनसीसी कैडेट्स।

एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों को किया नमन रंगोली बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

फतेहाबाद। मनोहर मैमोरियल पीजी कॉलेज फतेहाबाद में 3 हरियाणा गर्ल्ज बटालियन एनसीसी हिसार के आदेशानुसार एनसीसी गर्ल्ज कैडेट्स द्वारा स्वच्छ भारत दिवस पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का आयोजन एएनओ कैप्टन रजनी वर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस विषय पर आयोजित रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कॉलेज के कैडेट्स ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। पोस्टरों के माध्यम से कैडेट्स ने स्वच्छता पर अपने विचारों को प्रदर्शित किया। इसके अलावा एनसीसी कैडेट्स ने शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर लघु सचिवालय के बाहर स्थित शहीदी स्मारक पर जाकर देश के वीर शहीदों को नमन किया और शहीदों की स्मृति में कैडेट्स ने स्वच्छ भारत पर रंगोली भी बनाई। इसके अलावा कैडेट्स ने वहां मौजूद लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास सफाई रखने का आग्रह किया। कैप्टन रजनी वर्मा ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य लक्ष्य पर प्रकाश डाला।

टोहाना। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते डीएसपी टोहाना उमेद सिंह।

शहीद भगत सिंह जयंती पर कुलां में रक्तदान एवं नशा मुक्ति शिविर का आयोजन

टोहाना। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज हित में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज शहीद-ए-आजम भगत सिंह जयंती के उपलक्ष्य में थाना सदर टोहाना पुलिस, चौकी कुलां पुलिस, लायंस क्लब कुलां एवं ग्राम पंचायत कुलां के संयुक्त तत्वावधान में कुलां पुलिस चौकी में रक्तदान एवं नशा मुक्ति कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएसपी टोहाना उमेद सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और उनके विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। उनकी जयंती पर रक्तदान और नशा मुक्ति जैसे जनहितकारी कार्य करना सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष राजीव ठाकुर, सचिव कमल सरदाना, कोषाध्यक्ष गगन सिंगला, ग्राम पंचायत कुलां के सरपंच एवं अन्य पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

शहीद को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सिरसा। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने समाज के लोगों को एक प्रेरक संदेश दिया।विद्यालय के प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि विचारों के क्रांतिकारी प्रतीक भी हैं। उनका बलिदान हम सभी के लिए यह संदेश देता है कि सच्ची देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की सेवा और जनजागरण के माध्यम से प्रकट होती है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि हम सभी को भगत सिंह के विचारों को आत्मसात करना चाहिए और उनके पदचिह्नों पर चलते हुए समाज में जागरूकता, समानता और सेवा की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम सब मिलकर समाज में शिक्षा, स्वच्छता, भाईचारा और देशप्रेम का संचार करेंगे, तभी शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपनों का भारत साकार होगा।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पा में कार्यक्रम

शहीदे आजम की जयंती पर भाजपाइयों ने बांटे हेलमेट

सिरसा। भाजपा ने रविवार को शहीद भगत सिंह जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय महाराणा प्रताप चौक पर आमजन को हेलमेट वितरित किए। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह बराड़ व रोहताश जांगड़ा ने मोटरसाइकिल सवारों को हेलमेट वितरित किए गए और उन्हें हेलमेट चालान के डर से नहीं, बल्कि अपनी व अपने परिवारजनों की सुरक्षा के लिए लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। सुखविंद्र सिंह बराड़ ने कहा कि देशभर की तरह सिरसा में भी हेलमेट नहीं पहनने के कारण सालभर में रोड एक्सीडेंट में कई लोग दम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालकों की लापरवाही के कारण मौत के ये आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने सडक सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि हर दोपहिया वाहन चालक को हेलमेट पहनना चाहिए। यह न केवल उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उसका कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि हेलमेट हमारे जीवन का सुरक्षा कवच है और इसकी अनदेखी जानलेवा हो सकती है।

सत्ता ने नहीं, लोगों ने दिया भगत सिंह को शहीद का दर्जा: कृष्ण नैन

सिरसा। शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस को समर्पित सेमिनार का लोक चेतना कला एवं साहित्य मंच द्वारा आयोजन डिंग मंडी के सीनियर सकेंडरी स्कूल में किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता कृष्ण नैन ने कहा कि भगत सिंह को जानने ओर समझने के लिए उनकी लिखतों को पढना पड़ेगा उनको पढ़े बिना भगत सिंह को समझा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भगत सिंह को शहीद का दर्जा लोगो ने दिया ना की सता ने। देश में आज तक 19 से ज्यादा लोगों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया जा चुका है उनमें भगत सिंह को आखिर क्यों शामिल क्यों नहीं क्या गया ।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर टाउन पार्क में लगाई प्रदर्शनी

सिरसा। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती पर रविवार को शहीद यादगार समिति सिरसा के संयोजक मेहर सिंह बांगड़, संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव मंडल के सदस्य एवं ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यवान ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहर के बाजारों व सार्वजनिक स्थलों पर पर्चे बांटे गए। टाउन पार्क में शहीद भगत सिंह के लिखे हुए विचारों, कथनों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी को शहर के कई गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं ने देखा और कहा कि जन मानसिकता में बैठ चुकी गहरी सामाजिक उदासीनता और घोर स्वार्थपरकता से भगत सिंह सरीखे क्रांतिकारियों का शानदार प्रेरणादायक जीवन संघर्ष, आदर्श -चरित्र ही मुक्ति दिला सकता है।

जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूजरर ▶▶ सिरसा

सिरसा। पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली बच्चे।

डिंग डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद भट्ट ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न खंडों से विभिन्न विद्यालयों से 65 चयनित विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर चंद्रप्रकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि पेंटिंग प्रतियोगिता न के व ल विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उनमें टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रहित में योगदान की सोच को भी मजबूत बनाती है। अतः विद्यार्थियों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़ चढक़र भाग लेना चाहिए।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरपुर में आयोजन

प्लानिंग एंड मैनेजमेंट विंग अध्यक्ष डॉ. राजेश खुराना के नेतृत्व में इस प्रतियोगिता में चंद्रप्रकाश शर्मा, डॉ. राकेश मोहन, पवन कनौजिया एवं डॉ. विनोद कुमार ने बतौर पर्यवेक्षक अपनी भूमिका निभाई। वहीं सतबीर सिंह न्योल ने कहा कि प्रतियोगिता का परिणाम बहुत जल्दी तैयार करके संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को भेज दिया जाएगा।

बच्चों को सही मार्गदर्शन की जरूरत: प्रो. कालड़ा

सिरसा। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान के सेवानिवृत्त प्राध्यापक संजीव कालड़ा ने रविवार को नबो माइंड स्टूडियो का अवलोकन किया और बच्चों से सीधा संवाद किया। प्रो. संजीव कालड़ा ने कहा कि, हर बच्चा एक अद्भुत प्रतिभा लेकर जन्म लेता है। जरूरत केवल सही मार्गदर्शन और मेहनत की है। यदि बच्चे अपनी जिज्ञासा को बनाए रखें और निरंतर सीखते रहें तो वे किसी भी क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला और जीवन मूल्यों में संतुलन बनाने की सलाह दी। साथ ही रेनबो माइंड स्टूडियो द्वारा बच्चों को वल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रेरित करने और आधुनिक शिक्षा के साथ मानसिक एवं बौद्धिक विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

छात्रों ने किया ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण

हरिभूमि न्यूजरर ▶▶ ऐलनाबाद

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऐलनाबाद के विद्यार्थियों को सिरसा के ऐ ति हा सि क चिल्ला साहिब गु रु द्व ा रा , तारकेश्वर धाम मे विद्यार्थियों का भ्रमण करवाया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को ओटू हेड पर ले जाकर के घग्गर नदी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यालय के प्राचार्य चरण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को रवाना किया। इस दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को इतिहास और संस्कृति के महत्व से अवगत करवाते हैं तथा उनमें राष्ट्रीय धरोहरों के संरक्षण की भावना उत्पन्न करते हैं। इस टूर का प्रमुख उद्देश्य ऐतिहासिक धरोहरों पर जाकर स्वच्छता अभियान चलाकर उनका संरक्षण करना है। इस भ्रमण दल में इतिहास प्रवक्ता सुभाष, राधा कृष्ण, विनोद कुमार, डिंपल, मीनल विद्यार्थियों के साथ भ्रमण दल में शामिल रहे।

चिल्ला साहिब गुरुद्वारा, तारकेश्वर धाम के किए दर्शन

सिरसा। गुरुद्वारा चिल्ला साहिब का भ्रमण करते विद्यार्थी।

मोबाइल की काल्पनिक जिंदगी से बाहर आएं युवा: डॉ. सचदेवा

हरिभूमि न्यूजरर ▶▶ सिरसा

- केएल थियेटर प्रोडक्शन्स ने बच्चों को मोबाइल के छुपे खतरों से करवाया अवगत

केएल थियेटर प्रोडक्शन्स द्वारा शहीद भगत सिंह जयंती के उपलक्ष्य में नाटक शहीद का मंचन श्रीराम न्यू सतलुज सीनियर सेकंडरी स्कूल में किया गया जिसमें स्कूल की निदेशक डॉ. शशि सचदेवा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुई। नाटक के माध्यम से शहीद भगत सिंह के जन्म से लेकर उनके संघर्षों व देश के लिए उनके द्वारा दी गई कुर्बानियों को बखूबी दिखाया गया। नाटक शहीद के माध्यम से सभी विद्यार्थियों को देशभक्ति का संदेश देकर उनमें देशप्रेम की भावना को उजागर किया। मुख्यातिथि डॉ. शशि सचदेवा ने केएल थियेटर प्रोडक्शंस के सभी कलाकारों की प्रशंसा करते हुए उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के नाटकों के मंचन की आवश्यकता तत्काल समय में बहुत ज्यादा है। उन्होंने युवा पीढ़ी और उनके अभिभावकों से विशेष आग्रह किया कि मोबाइल, टेलीविजन, सोशल मीडिया की काल्पनिक जिन्दगी से बाहर आकर वास्तविक दुनिया से जुड़ें। रंगमंच के माध्यम से स्वयं को खोजें और अपने वास्तविक किरदार को जानकर आगे बढ़े।

अणुव्रत गीत महासंगान बैनर का अनावरण

हरिभूमि न्यूजरर ▶▶ सिरसा

शांतिदूत आचार्य महाश्रमण द्वारा उद्घोषित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह आगामी 1 से 7 अक्तूबर तक मनाया जाएगा। अणुव्रत समिति अध्यक्ष चंपालाल जैन ने बताया कि इसी कड़ी में रविवार को तेरापंथ भवन सिरसा में अणुव्रत समिति सिरसा के तत्वावधान में साध्वी संयमप्रभा ठाणा-4 ने जैन समाज की उपस्थिति में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह कार्यक्रम बैनर व अणुव्रत गीत महासंगान बैनर का अनावरण किया। समिति अध्यक्ष चंपालाल जैन ने बताया कि इस साप्ताहिक कार्यक्रम की कड़ी में आगामी 3 अक्टूबर को अणुव्रत काव्यधारा कवि सम्मेलन व 4 अक्तूबर को एसएस जैन कन्या विद्यालय से एक जनजागरण नशामुक्ति रैली निकाली जाएगी। चंपालाल जैन ने पूरे समाज से इस साप्ताहिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने की अपील की है।

साध्वी संयमप्रभा ठाणा-4 ने जैन समाज की उपस्थिति में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह

सिरसा। बैनर व अणुव्रत गीत महासंगान बैनर का अनावरण करते हुए साध्वी संयमप्रभा।

स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान, स्कूलों में पाठ पढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान एवं सेवा पखवाड़ा के तहत जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई के निर्देशानुसार नगर परिषद फतेहाबाद द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों के साथ मिलकर एक स्व च्छ ता अ भि या न , जागरूक रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों और नगर परिषद की टीम ने लोगों को सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखने की जानकारी दी तथा पार्क में कम्पोस्ट बनाने एवं कचरे के सेग्रीगेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया।

डीएवी पब्लिक स्कूल में बच्चों किया जागरूक

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को स्वच्छता बारे जानकारी देते नगरपरिषद अधिकारी।

रामलीला भारतीय समाज के संस्कारों की रीढ़: डॉ. तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

नेहरू पार्क में श्री रामा क्लब द्वारा आयोजित की जा रही रामलीला में पूर्व सांसद व वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. अशोक तंवर व स्वर्णकार संघ सिरसा तहसील महासचिव विशाल सोनी ढल्ला ने शिरकत की। तंवर ने कलाकारों द्वारा अभिनीत किरदारों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि भगवान राम द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान जिस प्रकार पितृभक्ति का जो आदर्श स्थापित किया, वह आज भी भारतीय समाज के संस्कारों की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि श्रीराम की लीला केवल मनोरंजनात्मक नहीं, बल्कि मर्यादाएं स्थापित करने का भी एक आईना है। श्री रामा क्लब कमेटी द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. अशोक तंवर ने कलाकारों को सराहा

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रमन सर्राफ, सिकंदर खट्टर, डॉ. चंद्र कंबोज, नीरज सोनी साहुवाला, जसवंत सिंह, तपन सोनी, सतनाम रोड़ी, अभय शाह, क्लब के प्रधान अश्विनी बठला, श्याम बजाज, गुलशन गाबा, गुलशन वधवा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

जवानों ने पौधरोपण किया, दीवारों की साफ-सफाई का भी चला अभियान

पुलिस कर्मचारियों ने थानों में चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में जिलेभर के सभी थानों और चौकियों में हर रविवार स्वच्छ थाना-चौकी अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान पुलिस की नई सोच और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हर रविवार सुबह, फतेहाबाद पुलिस के जवान साफ-सफाई और पौधे लेकर थानों की सफाई, दीवारों की पुताई, पौधारोपण, और रिकॉर्ड रूम की सफाई में जुट जाते हैं। यह एक नियमित अभ्यास बन चुका है, जिसने थानों की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। इससे न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है, बल्कि वे अनुशासन और स्वच्छता के जीवंत उदाहरण बनकर उभरे हैं।

फतेहाबाद। थानों में साफ-सफाई करते पुलिस कर्मचारी।

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पद या रैंक का भेदभाव नहीं है। अधिकारी से लेकर सिपाही तक, सभी एकजुट होकर थानों की सफाई और व्यवस्था सुधारने में लगे हुए हैं। इस टीम भावना ने फतेहाबाद पुलिस में अनुशासन, सहयोग और सकारात्मक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्वच्छता कोई एक दिन का काम नहीं, बल्कि निरंतर और सतत अभ्यास है। जैसे कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारा फर्ज है, वैसे ही स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल बनाए रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

लोगों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करें : एसपी

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन कहते हैं, एक स्वच्छ और व्यवस्थित थाना न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि वहां आने वाले नागरिकों को सम्मान, विश्वास और सुरक्षा की भावना भी देता है। स्वच्छता और व्यवस्था से लैस थाना ही बेहतर सेवा का आधार बनता है। अब जिले के अधिकांश थानों में साफ पेयजल, स्वच्छ शौचालय और आरामदायक बैठने की व्यवस्था उपलब्ध है। शिकायत लेकर आने वाले नागरिक एक मैत्रीपूर्ण और सम्मानजनक माहौल का अनुभव कर रहे हैं, जिससे पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग का मजबूत बंधन बन रहा है।